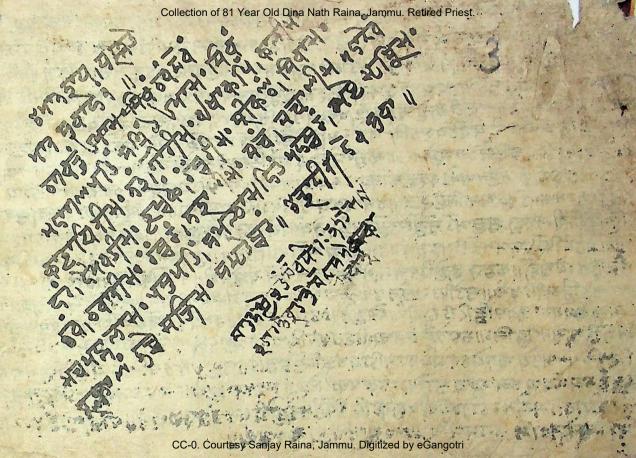
Collection of 81 Year Old Dina Nath Raina, Jammu. Retired Priest.

म्लक्षिरे हे हे मालक मेरह भारती कि तह १इकन गुड्मश्रम न्यः इये प्रमकलम प्रने मा उद्यम्कल में रक्रकनम्रणन चेरा नेक रसक्य हवायदेवायनमः अ विगः। प्राय न्योषाः व वास्त्वाय प्राप्डन देव ५ %: ग्रः भ्राप्ति । प्रम्कलमारा येन्डेड्वे इसद्ध प्रदेश एयय रहे अधालियां अवला अधार हो वे एकः ० ए राज्यक्तयं वर्त्व नवा नवा नवा नवा निर्मित पद्यस्य पर भारे रस् उठः उड परा ने उस भवपदे । उठः पद्य भवपदे । उठः भवणा वर्ष । वर्षे वर्षे द्रायेये व जिन्मित्रयं विच करायितीम नश्य गानीम विषक्षेत कत्रभः इर्य देसवरीभः इत्रक्य विश्वीभः शक्षाय, विवासः हवाय, डबरीसे • उन्या इरलीस म्याय , सवालीस अद्रिया अव्यन लाम । पन्पर्ये निपत्नि भड़न्य । यह सि विम वद्या प्रव वित्रेश निर्मे निर्मे हरे वित्र के निर्मे के न CC-0. Courtesy Sanjay Raina, Jammu. Digitized by eGangotri,

विभाग पहायुत्रदेव में डेड हैं व अपरीप प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख प्रमुख मान्युत्र प्रमुत्र प्रमुख मान्युत्र प्रमुत्र प्रमुख मान्युत्र प्रमुत प्रमुख मान्युत्र प्रमुख मान्युत्र प्रमुख मान्युत्र प्रमुत्य मर्गित्रितः राणः। रित्रारम्। राज्यान्य प्रमित्रित्रम्भवितिका • ज रे उववाद रे उवा मान कियुया प्राप्त रे । प्राव प्राप्त पि : गयरीतः रेडेपवरा अल्बारिशः । विद्रः यत् धर्मादा उद्देशयावि । ) मोडाप्पिति । महा गलपा कार्या व वर्धे ते स्वाप्ति माना भारत म मियसे कर पिरीस गर्से गारीस वधाक्यः कालीस ज्या देमवरीस म्यक्ष्यां वर्गमे स्विक्ष्य मिवासे व्यथ वियानीसे विविध क्राणीसे मच्छ। मवाली भे भद्रप्त्र भचमहालाभे भुडे विथलाभे भडे विश्व न्यार नुष्ठा ग्रहर्पनिभागे स्विषण्य यश्चिति में के ज्ञान्य केनम् केन्य केन्य केन्य केन्य । महन्द्र प्रकृति रभने । ज्यारे व्यारे कार्मा हिल्ला है कि है । जिल्ला के विद्यो ०६ उराधीन देश अद्यासन्तर्भः भड़ालभाउये नश्ये व व्ययदेवाय ार्मित्रय मिश्य , इडिट्टः स्थाइः प्रभाषा ।।



हर्पणी वयह शिक्षा विययन से प्राप्त प्रमाण Retired Priest. वयनित्री छह्येयमेश्च उन्य सुक्याङ्ग ३ युग्उभू अर्थ राजा कल सभा दिशे उस पर्येष याउस वाक्री अभक्तरया। इडिपडिनम्बर्व अभिडिवर्स, सेब्रेस्डियास्य भया कृत्र सिन्नित्र वीभिक्ष विभिन्नित्र सिन्नित्र सिन्नित्य सिन्नित्र सिन्नित्य सिन्नित्र सिन्नित्र सिन्नित्र सिन्नित्य सिन्नित्र सिन्नित्र सिन्नित्य सिन्नित्य सिन्नित्य सिन्नित्य सिन्नित्य सिन्नित्य सिन्नित ज्ञाना द्वीहिं उर बमनदी यविष्य ए प्रिल्य हैं। यहिन हैंडी भूग एवं बढ़ नेस्ये : यहें भारिता नहार में शहाय निर्देशि। विकिरः गयहेनाः ।। भाष्ठ्रण्युने इत्याने विकासने व्यक्तिस्य गुल्यो उन्याने । ड्येड्मीट इक्क मीने मेरिम सभी भर्त का विराह देव द्राल करी। गल भड़ये सुवये हे कर युपम भाइन य इक्रिटः भेषाप्र महयश्विद्येष्ट्रभा इभावश्य मुद्रीयाहित्य द्वाना ।। इत्येत्वाना ।। इत्यं मुवाद्वे, भक्तं भनेपयी लल्झ सुद्धाराँ सुद्धे लेड्सी पड़े। विसं वर्षे भन्ने नहें किया। बिर्व के देवे महि विस्त्राम नीयं। इसीपरिविक्तभभद्र विभाव सर्व। उभावस्य मेडीपउतिवस्य । स्थ्रिमस्प्रक्रे वर्षे देश मारिक्र मीड्सन रमेखना। गड्य नहेरियमा ॥ भन्नेमडन स्टान यहिपयी।। भन्यस्कृतिनहिनहिनहा। उपजस भा श्रद्धिकभीि थया। चेडीभेड स्पेत्र द्वार्य प्रथम स्वाम् लेक्न द्वार्य म्या वित्र प्रथमित स्वामी उथः॥ स्वयम जनवाद्यिति क्वीपं॥ स्वयुक्तिक्यम प्रविश्व अभवन् यविष्यि मरः॥ वेषावादाधीर विकास गन्मारेय कार्यहर यह जारा हार्यहरू हिंदी है। निक्षा कार्य से मिले यह विकास से से अभकेश्य देवाय इसन्देश्य नुरोपा = इत्यापार निर्देश स्थानन हिंदी = स्था अस्की नुरोपहर हिन् हैं ग्रेयवशिनदेभः डरेश्वर्वी पछक्रि रेविड नेविड नेविड मेर्विश्वर क्षेत्रक्ष वर्ग प्रति कार्य । ना विक्रित्वा के क्रमना प्राप्त र शासना है। क्रियार्थ।